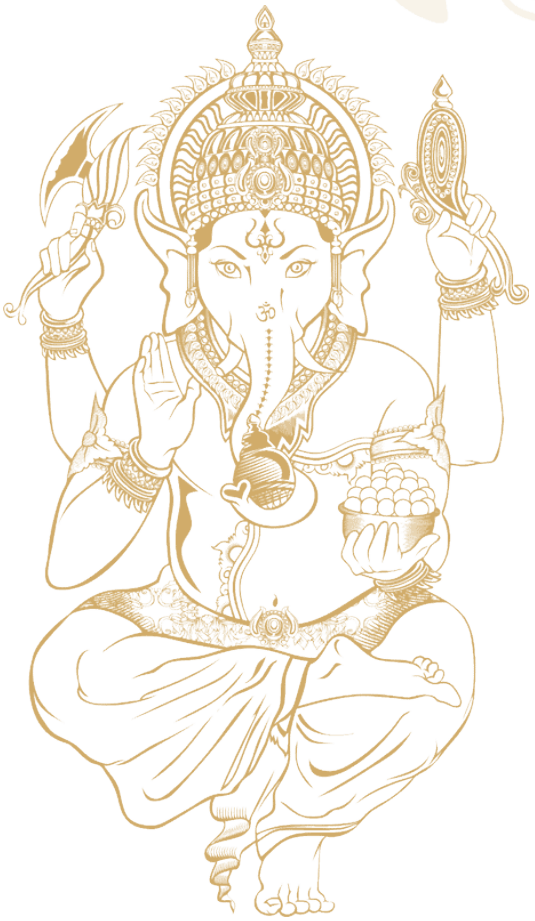

Himani

04 Nov 1993

09:45 AM

Alwar

Model: web-freekundliweb

Order No: 119636902

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**04/11/1993**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**09:45:00 घंटे**
इष्ट	07:51:23 घटी
स्थान	**Alwar**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	27:32:00 उत्तर
रेखांश	76:35:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:23:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:21:20 घंटे
वेलान्तर	00:16:27 घंटे
साम्पातिक काल	12:15:01 घंटे
सूर्योदय	06:36:26 घंटे
सूर्यास्त	17:37:55 घंटे
दिनमान	11:01:29 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	17:59:11 तुला
लग्न के अंश	27:49:56 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**आर्द्रा - 2**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	सिद्ध
करण	कौलव
गण	मनुष्य
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	घ-घटी
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	27:49:56	320:53:10	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	---
सूर्य			तुला	17:59:11	01:00:07	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	सूर्य	नीच राशि
चंद्र			मिथु	10:21:32	12:41:36	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	गुरु	मित्र राशि
मंगल		अ	वृश्चि	02:37:03	00:42:42	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	स्वराशि
बुध	व	अ	तुला	22:31:29	01:15:34	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	मित्र राशि
गुरु			तुला	04:54:26	00:12:53	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	सूर्य	शत्रु राशि
शुक्र			तुला	00:04:59	01:14:58	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	मूलत्रिकोण
शनि			मक	29:54:04	00:00:44	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	स्वराशि
राहु			वृश्चि	09:19:04	00:01:38	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
केतु			वृष	09:19:04	00:01:38	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	सम राशि
हर्ष			धनु	25:02:56	00:01:52	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
नेप			धनु	24:56:18	00:01:08	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	01:06:40	00:02:21	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	मंगल	---
दशम भाव			कन्या	10:19:22	--	हस्त	--	13	बुध	चंद्र	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:46:30

लग्न-चलित

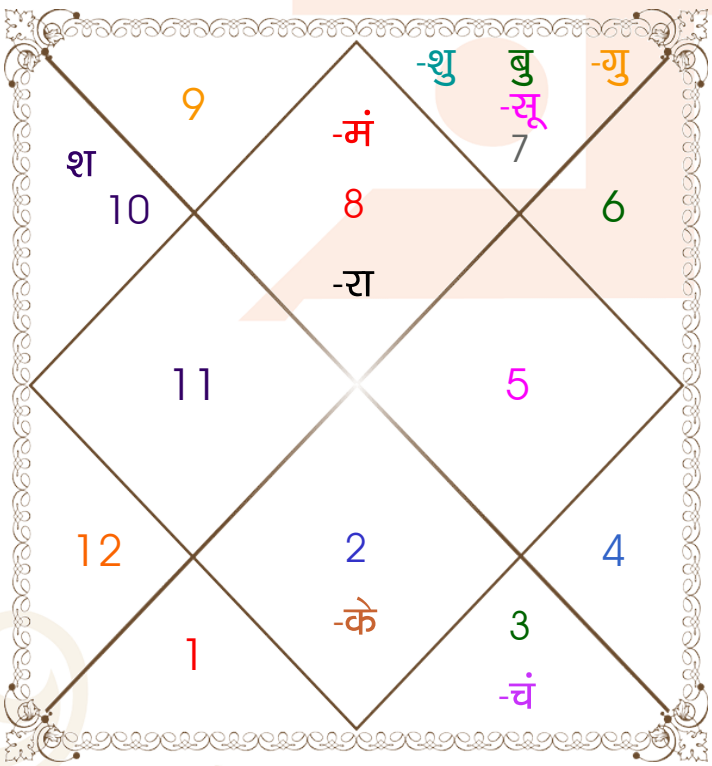

चन्द्र कुंडली

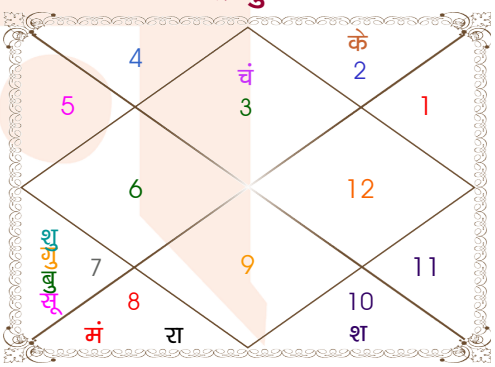

नवमांश कुंडली

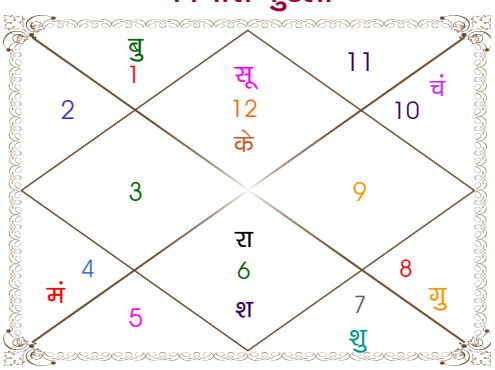

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 13 वर्ष 0 मास 5 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
04/11/1993		10/11/2006		10/11/2022		10/11/2041		10/11/2058	
10/11/2006		10/11/2022		10/11/2041		10/11/2058		10/11/2065	
	04/11/1993	गुरु	28/12/2008	शनि	13/11/2025	बुध	07/04/2044	केतु	08/04/2059
गुरु	16/12/1993	शनि	11/07/2011	बुध	23/07/2028	केतु	04/04/2045	शुक्र	07/06/2060
शनि	22/10/1996	बुध	16/10/2013	केतु	01/09/2029	शुक्र	03/02/2048	सूर्य	13/10/2060
बुध	11/05/1999	केतु	22/09/2014	शुक्र	31/10/2032	सूर्य	10/12/2048	चंद्र	14/05/2061
केतु	29/05/2000	शुक्र	23/05/2017	सूर्य	13/10/2033	चंद्र	11/05/2050	मंगल	10/10/2061
शुक्र	30/05/2003	सूर्य	11/03/2018	चंद्र	14/05/2035	मंगल	08/05/2051	राहु	29/10/2062
सूर्य	22/04/2004	चंद्र	11/07/2019	मंगल	22/06/2036	राहु	25/11/2053	गुरु	05/10/2063
चंद्र	22/10/2005	मंगल	16/06/2020	राहु	29/04/2039	गुरु	02/03/2056	शनि	12/11/2064
मंगल	10/11/2006	राहु	10/11/2022	गुरु	10/11/2041	शनि	10/11/2058	बुध	10/11/2065

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
10/11/2065		10/11/2085		10/11/2091		11/11/2101		10/11/2108	
10/11/2085		10/11/2091		11/11/2101		10/11/2108		00/00/0000	
शुक्र	11/03/2069	सूर्य	27/02/2086	चंद्र	09/09/2092	मंगल	09/04/2102	राहु	24/07/2111
सूर्य	11/03/2070	चंद्र	29/08/2086	मंगल	11/04/2093	राहु	27/04/2103	गुरु	05/11/2113
चंद्र	10/11/2071	मंगल	04/01/2087	राहु	10/10/2094	गुरु	02/04/2104		00/00/0000
मंगल	09/01/2073	राहु	28/11/2087	गुरु	09/02/2096	शनि	12/05/2105		00/00/0000
राहु	10/01/2076	गुरु	16/09/2088	शनि	10/09/2097	बुध	09/05/2106		00/00/0000
गुरु	10/09/2078	शनि	29/08/2089	बुध	09/02/2099	केतु	05/10/2106		00/00/0000
शनि	10/11/2081	बुध	05/07/2090	केतु	10/09/2099	शुक्र	05/12/2107		00/00/0000
बुध	09/09/2084	केतु	10/11/2090	शुक्र	12/05/2101	सूर्य	11/04/2108		00/00/0000
केतु	10/11/2085	शुक्र	10/11/2091	सूर्य	11/11/2101	चंद्र	10/11/2108		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 12 वर्ष 11 मा 22 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म ज्येष्ठा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में पूर्व दिशा में उदित वृश्चिक लग्न, मीन नवमांश तथा कर्क राशि के द्रेष्काण में हुआ था। ज्योतिषीय आकृति आपको एक धार्मिक प्राणी के रूप में प्रस्तावित करती है। आप धार्मिक तीर्थ स्थानों का परिदर्शन करेंगी। परंतु वास्तविकता यह है कि आप दिलेर एवं बहुत ही समाजिक प्राणी हैं। आपकी अभिलाषा है कि सभी प्रकार के संसारिक सुखों का आनंद प्राप्त करें।

आपको देखने वाले एक धर्म निष्ठ व्यक्ति के रूप में आपको प्रतिष्ठित करते हैं। आप बहुत अधिक लाभांश प्राप्त करती हैं, परंतु आपका कार्य धीरे-धीरे कार्यान्वित होता है। अबतक आपने अन्यों को अपनी बातों से अपना बनाया है। परंतु कुछ दुष्कर घटनाएं उपस्थित होती रहती है। आप अपनी साहसिक एवं दृढ़ प्रवृति के कारण सफलता प्राप्त करती आई हैं। तब ही आपके धन संचय करने का लक्षय पूरा हो सकेगा।

आप सदैव सावधानी पूर्वक मनोविनोदी प्रवृति से अपना मनोरंजित जीवन जीती आई हैं। परंतु यदा-कदा आपका यह हास्य परिहास, व्यवसायिक मामले में व्यवधान उपस्थित कर सकता है। समय आने पर आप पूर्ण सचेत रहकर उन बाधाओं को स्पष्ट कर लेंगी।

आप निःसंदेह विपरीत योनि के प्राणियों के लिए आकर्षण का केंद्र हैं। परंतु आप इस मामले में मनोनुकूल पुरुष को बहुत पसंद करती हैं। मुख्य रूप से आपके लिए यह विचारणीय है कि आपका प्रेमी बहुत अच्छा तो नहीं है परंतु बड़ा मेधावी है। आप जिस किसी भी व्यक्ति से संपर्क कर के आनन्द प्राप्त करना चाहती हो वह आपके मनोनुकूल एवं आपकी बुद्धि के अनुरूप हो। इसलिए आपको अपनी प्रेमी की अनुरूपता हेतु कुछ अतिरिक्त निर्देश की आवश्यकता है, क्योंकि यदि आपने जिस किसी का चयन किया है। वह आकर्षक है। इस पर आप हतोत्साहित होंगी। आप अपने जीवन संगी के चयन हेतु प्रयास करें जिसका जन्म वृश्चिक, कर्क, मीन, तुला, कन्या अथवा मकर राशि लग्न में हुआ हो।

आपके जीवन के क्षेत्र से संबंधित एक अहम मुद्दा यह है कि आप स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से सौभाग्यशाली हैं। दूसरी बात यह है कि आपके जीवन में अतिशय भ्रमणकारी समस्या हैं। आप अपने जीवन के 13 वें, 27 वें, 31 वें एवं 49 वें वर्ष में रोगादिक प्रभाव से अद्य ोगामी हो सकती हैं। अतएव सर्तकता पूर्वक जागरूक रहने की आवश्यकता है।

आपको समय-समय पर अच्छी प्रकार स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहना चाहिए। इसलिए आप किसी भी प्रकार के रोग के प्रति सावधानी पूर्वक आचरण कर सकती हैं। आप जैसे गुप्तांग को क्षतिग्रस्त होने वाले आचरण के प्रति सतर्क रहें। अन्यथा इसका गलत प्रभाव आपके स्वास्थ्य पर पड़ सकता है। अतएव आप अर्शरोग एवं गुप्तांग रोग के प्रति अनियमिततापूर्ण आचरण नहीं करें।

समय-समय पर आपकी उत्तेजना अति तीक्ष्ण हो जाती है। कृप्या इस पर शांति पूर्ण आचरण करें। आप अपने मन को शांति दायक प्रवृति के अनुरूप बनाकर किसी भी प्रकार

के रोगादिक प्रभाव से वंचित रह सकती हैं। अन्यथा नसों की गड़बड़ी संबंधी रोग का विपरीत प्रभाव जीवन पर पड़ेगा।

आपके लिए स्मरणीय है कि साप्ताहिक दिनों में आपके लिए अनुकूल एवं प्रभावशाली दिन सोमवार, मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन सर्वथा प्रतिकूल है।

आप अंको में अंक 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंकों को अपने लिए अनुकूल समझें। परंतु अंक 5, 6 एवं 8 अंक सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए रंगों में सफेद एवं हरा आपके लिए प्रतिकूल है। परंतु रंग, पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग आपके लिए अनुकूल एवं लाभदायक है।